

FICUS GARDEN

- *Ficus* (family- *Moraceae*) is a genus of about 850 species of tree, shrubs, and vines, epiphytes and hemi epiphytes which are collectively known as fig trees. About 511 species of *Ficus* are native to the Indo-Australian region of Asia, 132 species are native to Central and South America; and 112 species are native to Africa.
- Most *Ficus* species are evergreen; there are a few deciduous species of *Ficus* in non-tropical areas. The leaves are usually simple and waxy, and most exude white or yellow latex when broken. Many *Ficus* species have aerial roots.
- One of the oldest *Ficus* trees is in Sri Lanka which according to history it was planted in 288 B.C.
- *Ficus* trees are part of many religious traditions such as Buddhism and Hinduism. The Lord Buddha is said to have achieved enlightenment under the Bodhi tree (*Ficus religiosa*).
- The *Ficus religiosa* tree is considered sacred by the followers of Hinduism. In the Bhagavad Gita, Lord Krishna says, "I am the Peepal tree among the trees, Narada among the sages, Chitraaratha among the Gandharvas, and sage kapila among the Siddhas."
- The national tree of India is the Bargad 'tree' (*Ficus benghalensis*). The Bargad tree represents eternal life, because of its over-expanding branches. The country's unity is symbolized by the trees huge structure and its deep roots.
- This Experiment was initiated in July 2013, for conservation/ demonstration of *Ficus* species. The project has been established on an area of 3.00 hectare, in Forest Research Range Lalkuan. At present *Ficus* Garden houses 110 species of *Ficus* out of which the main species are *Ficus benghalensis*, *Ficus krishnae*, *Ficus elastic (black)*, *Ficus racemosa*, *Ficus religiosa* and *Ficus benjamina*.

फाइकस गार्डन

- फाइकस लगभग ८५० प्रजातियों के पेड़, झाड़ियां, बेलें, एपीफाइटस तथा हेमिफाइटस का एक समूह है, जिन्हे सामूहिक रूप से अंजीर के पेड़ के रूप में मई जाना जाता है। फाइकस की लगभग ५११ प्रजातियां एशिया के इंडो-ऑस्ट्रेलियाई क्षेत्र की मूल निवासी हैं, १३२ प्रजातियां मध्य और दक्षिणी अमेरिका की मूल हैं तथा ११२ प्रजातियां अफ्रीका की मूल निवासी हैं।
- अधिकांश फाइकस प्रजातियां सदाबहार होती हैं, लेकिन गैर उष्णकटिबन्धीय क्षेत्रों में फाइकस की कुछ प्रजातियां पर्णपाती हैं। आमतौर पर पत्तियां साधारण और मोमी होती हैं और टूटने पर सफ़ेद अथवा पीला द्रव निकलता है। फाइकस की कई प्रजातियों की जड़ें जमीन के ऊपर होती हैं।
- सबसे पुराना फाइकस का पेड़ श्रीलंका में हैं, इतिहासकारों के अनुसार इसे २८८ बी.सी. में लगाया गया था।
- फाइकस के पेड़ बौद्ध धर्म और हिन्दू धर्म की धार्मिक परंपराओं का हिस्सा रहे हैं। कहा जाता है की भगवान बुद्ध को बोधि वृक्ष (*Ficus religiosa*) के नीचे ज्ञान की प्राप्ति हुयी थी।
- पीपल वृक्ष को हिन्दू धर्म के अनुयायियों द्वारा पवित्र मन जाता है। भगवत गीता में भगवान श्री कृष्णा कहते है, ' मैं पेड़ों में पीपल का पेड़, ऋषियों में नारद, गंधर्वों में चित्ररथ और सिद्धों में ऋषि कपिल हूँ '।
- भारत का राष्ट्रीय वृक्ष बरगद (*Ficus benghalensis*) है। बरगद का वृक्ष अपनी अत्यधिक विस्तार वाली शाखाओं के कारण शाश्वत जीवन का प्रतिनिधित्व करता है तथा वृक्ष की विशाल संरचना और इसकी गहरी जड़ें देश की एकता को दर्शाती हैं।
- फाइकस गार्डन एक प्रायोगिक परियोजना है जिसे फाइकस प्रजातियों के संरक्षण / प्रदर्शन के वर्ष जुलाई २०१३ में शुरू किया गया था। इस परियोजना को लालकुआं स्थित वन अनुसंधान रेंज के ३ हेक्टेयर क्षेत्रफल में प्रारम्भ किया गया है वर्तमान में फाइकस गार्डन में फाइकस की ११० प्रजातियां हैं जिनमें बरगद, कृष्ण वट, काला रबर, गूलर, पीपल तथा पुकर मुख्य प्रजातियां हैं।